भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, क्षेत्रीय केंद्र जोधपुर, राजस्थान

हिन्दी दिवस आयोजन (14 सितंबर 2022): राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो के क्षेत्रीय कार्यालय जोधपुर में राष्ट्रीय हिंदी दिवस 14 सितंबर 2022 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में प्रोफेसर (डॉ.) किशोरीलाल पथिक, अधिष्ठाता तथा अध्यक्ष हिंदी एवं कला विभाग, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर से आमंत्रित किए गए जिन्होंने ब्यूरो के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को "हिंदी भाषा के महत्व तथा उपयोगिता" के बारे में व्याख्यान देकर अनुग्रहित किया। कार्यक्रम में हिंदी भाषा में निबंध प्रतियोगिता तथा पोस्टर प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी जिनमें सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियो को नकद पुरस्कार तथा प्रमाण पत्र वितरित किये गये। सफलतापूर्वक कार्यक्रम संपन्न हुआ।

हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन: भा.कृ.अनु.प.- राष्ट्रीय पादप अनुवंशिकी संसाधन ब्यूरो के क्षेत्रीय कार्यालय जोधपुर पर वर्ष 2022 में कुल चार एक दिवसीय हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। प्रत्येक तिमाही में एक कार्यशाला संपन्न हुई जो कि दिनाँक 27.02.2022, 22.06.2022 14.09.2022 एवं 12.10.2022 को आयोजित की गयी। कार्यशालों में जोधपुर में स्थित अन्य संस्थानों से हिंदी में निपुण अतिथियों को आमंत्रित किया गया। 22.06.2022 को आयोजित कार्यशाला का आरंभ कार्यालय के प्रभारी अधिकारी डॉ. विजय सिंह मीना की अध्यक्षता में उनके द्वारा हिन्दी कार्यशाला के लिए आमंत्रित मुख्य वक्ता श्रीमती कुसुमलता, कंप्यूटर प्रोग्राम सहायक, कृषि विज्ञान केंद्र, काजरी जोधपुर के स्वागत से हुआ। इसी प्रकार प्रोफेसर (डॉ.) किशोरीलाल पथिक, अधिष्ठाता तथा

अध्यक्ष हिंदी एवं कला विभाग, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर को 14.09.2022 की हिंदी कार्यशाला में आमंत्रित मुख्य वक्ता रहे । वक्ताओं ने कार्यालय में काम में लिए जाने वाले रजिस्टर एवम् सेवा पुस्तिकाओ में हिंदी में प्रविष्टियां करने के महत्व के बारे बताया। उन्होंने आगे कहा कि हम सभी को हिन्दी में अपने कार्यालय के कार्य में बढोतरी करने की आवश्यकता हैं । जो अभी कर रहे है उसे आगे बढाए और जो नहीं कर रहे है वे शुरुआत करें, एक बार शुरु करेंगे तो कार्य अपने आप गतिशील बनेगा। साथ मे उन्होने युनिकोड के माध्यम से कंप्यूटर में हिंदी में काम करने के बारे में बताया । कार्यशाला में भा.कृ.अनु.प.- राष्ट्रीय पादप अनुसंधान संसाधन ब्यूरो के क्षेत्रीय कार्यालय जोधपुर के सभी कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा कार्यशाला का लाभ उठाया ।

मैथिलीशरण गुप्त

मैथिलीशरण गुप्त जी का जन्म 3 अगस्त 1886 में भारत के उत्तर प्रदेश राज्य में हुआ था। इनके पिता का नाम रामचरण कनकने व माता जी का नाम काशी बाई था। मैथिलीशरण गुप्त जी एक प्रसिध्द कवि, नाटककार, अनुवादक के साथ-साथ प्रसिध्द राजनेता भी थे। मैथिलीशरण गुप्त जी की मृत्यु 12 दिसंबर 1964 को हुई। **प्रमुख काव्य :-** भारत-भारती, पंचवटी, द्वापर, झंकार, सिद्धराज, नहुष, गुरुकुल, जय भारत, इत्यादि। **प्रमुख नाटक :-** रंग में भंग, विरहिणी, राजा-प्रजा, वन वैभव, विकट भट, इत्यादि।